बहुत-से लोग यह सोचते हैं कि मन फिराना सिर्फ परमेश्वर से क्षमा माँग लेना है। लेकिन सच्चा मन फिराना इससे कहीं अधिक है। इसका अर्थ है पाप से पूरी तरह मुड़ जाना और अपने जीवन के व्यवहार को बदल देना। क्षमा माँगना इस परिवर्तन के बाद आता है।

मन फिराने का वास्तविक अर्थ है मन और हृदय का बदल जाना, जो हमारे कामों में स्पष्ट दिखाई देता है। यह केवल पछतावा महसूस करना नहीं है, बल्कि जानबूझकर पाप को छोड़ देना है।

लूका 13:3 (IRV)
“मैं तुम से कहता हूँ, नहीं; परन्तु यदि तुम मन न फिराओगे, तो
तुम सब भी इसी प्रकार नाश हो जाओगे।”

जब आपको यह एहसास हो जाए कि आपने पाप किया है, तो पहला कदम है—उस पाप को करना बंद करना। उसके बाद ही आपको परमेश्वर से या किसी व्यक्ति से क्षमा माँगनी चाहिए।

कोई भी व्यक्ति पाप में बना रहकर सच्चा मन नहीं फिरा सकता। उदाहरण के लिए, यदि कोई चोरी कर रहा है, तो चोरी करते हुए क्षमा नहीं माँग सकता। पहले चोरी छोड़नी होगी, फिर क्षमा माँगनी होगी।

सच्चा मन फिराव आपके शब्दों से नहीं, बल्कि आपके कामों से प्रकट होता है।

मत्ती 3:8 (IRV)
“मन फिराव के योग्य फल लाओ।”

परमेश्वर केवल शब्दों या आँसुओं को नहीं देखता—वह आपके जीवन में आया हुआ वास्तविक परिवर्तन देखता है।

भजन संहिता 51:16–17 (IRV)
“क्योंकि तू बलिदान से प्रसन्न नहीं होता, नहीं तो मैं देता; होमबलि से तू प्रसन्न नहीं होता।
हे परमेश्वर, मेरा बलिदान टूटा हुआ मन है;
टूटा और पिसा हुआ हृदय, हे परमेश्वर, तू तुच्छ नहीं जानता।”

बाइबल कहती है कि कर्मों के बिना विश्वास मरा हुआ है।

याकूब 2:17 (IRV)
“उसी प्रकार विश्वास भी, यदि कर्म सहित न हो, तो अपने आप में

मरा हुआ है।”

मन फिराना केवल सही बातें कहने का नहीं, बल्कि सही जीवन जीने का विषय है।

नीनवे का उदाहरण

परमेश्वर ने योना को नीनवे भेजा ताकि वह आने वाले न्याय की चेतावनी दे। नीनवे के लोगों ने परमेश्वर पर विश्वास किया और अपनी बुरी चालों से फिर गए (योना 3:5–10)।

मुख्य पद है:

योना 3:10 (IRV)
“जब परमेश्वर ने देखा कि उन्होंने क्या किया है, और यह कि वे अपनी बुरी चाल से फिर गए हैं, तब परमेश्वर उस विपत्ति के
विषय में, जिसे वह उन पर लाने को कह चुका था, पछताया और उसे न लाया।”

ध्यान दीजिए—यह नहीं लिखा कि परमेश्वर उनके उपवास या आँसुओं

से प्रभावित हुआ, बल्कि उनके कामों से, यानी पाप छोड़ने के उनके निर्णय से।

उपवास और प्रार्थना बहुत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे तभी अर्थपूर्ण होते हैं जब उनसे पहले हृदय और व्यवहार में सच्चा परिवर्तन हो।

मन फिराने का सही समय कब है?

बाइबल स्पष्ट रूप से कहती है—अभी।

2 कुरिन्थियों 6:2 (IRV)
“देखो, अब ही अनुग्रह का समय है; देखो, अब ही उद्धार का दिन है।”

सच्चा मन फिराना आज ही पाप से मुड़कर नया जीवन जीने का निर्णय लेना है। जब आप यह निर्णय लेते हैं, तब पवित्र आत्मा आपको सामर्थ देता है।

रोमियों 8:13 (IRV)

“क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार जीवन बिताओगे, तो मरोगे; परन्तु यदि आत्मा के द्वारा शरीर के कामों को मारोगे, तो
जीवित रहोगे।”

पवित्र आत्मा हमारा सहायक है।

यूहन्ना 14:26 (IRV)
परन्तु वह उन्हीं की सहायता करता है जिन्होंने धर्म के मार्ग पर चलना शुरू कर दिया है। यदि आपने पहला कदम—पाप छोड़ना—नहीं उठाया, तो वह आपके स्थान पर यह काम नहीं करेगा।

यशायाह 40:29 (IRV)
“वह थके हुए को बल देता है, और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ देता है।”

यदि आप किसी पाप से संघर्ष कर रहे हैं, तो पहले उसे छोड़ने का निर्णय लें, फिर परमेश्वर से सामर्थ माँगें।

जक्कई का उदाहरण

जब यीशु जक्कई नाम के महसूल लेने वाले से मिले, तो जक्कई ने अपने कामों के द्वारा सच्चा मन फिराव दिखाया। उसने जो कुछ गलत लिया था, उसे चार गुना लौटाया।

लूका 19:8–9 (IRV)
यीशु ने कहा कि आज उसके घर में उद्धार आया है—केवल उसके शब्दों के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि उसके कामों ने उसके मन फिराव को सिद्ध किया।

आज सच्चा मन फिराना कैसे शुरू करें?

1. पाप में जीना छोड़ दें—जैसे गलत संबंधों को समाप्त करना, चुराई हुई या गलत ली गई वस्तुएँ लौटाना, झूठ, व्यभिचार या अन्य पापी आदतों को छोड़ना।
2. अपने व्यवहार को बदलने के बाद परमेश्वर से क्षमा माँगें।
3. तब आप गहरी शांति का अनुभव करेंगे—यह इस बात का प्रमाण है कि परमेश्वर ने आपके मन फिराव को स्वीकार कर लिया है।

फिलिप्पियों 4:7 (IRV)
4. इसके बाद परमेश्वर आपको परीक्षा पर जय पाने की सामर्थ देगा। जो इच्छाएँ पहले आपको नियंत्रित करती थीं, वे धीरे- धीरे कमजोर पड़ने लगेंगी।

निष्कर्ष और आशीष

मन फिराना केवल भावना या प्रार्थना नहीं है; यह जीवन का वास्तविक और दिखाई देने वाला परिवर्तन है।

परमेश्वर हम सबको अपने अनुग्रह में दृढ़ रहने और पवित्र जीवन जीने की सामर्थ दे।

प्रभु शीघ्र आने वाले हैं!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp